प्रेस विज्ञप्ति

हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल ने ईडीआईआई में 'अमृत काल का भारत' विषय पर दिया विशेष व्याख्यान

अहमदाबाद, 8 अक्टूबर, 2023: हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल, श्री शिव प्रताप शुक्ला ने रविवार, 8 अक्टूबर को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में 'अमृत काल का भारत' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया। इस विशेष व्याख्यान का आयोजन इंडिया थिंक काउंसिल के सहयोग से भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने किया था।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला, डीआईसीसीआई के संस्थापक अध्यक्ष एवं ईडीआईआई के गवर्निंग बोर्ड सदस्य डॉ. मिलिंद कांबले और इंडिया थिंक काउंसिल के निदेशक श्री सौरभ पांडे शामिल रहे।

‘अमृत काल के भारत में’ उद्यमिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में, **माननीय राज्यपाल, श्री शिव प्रताप शुक्ला** ने कहा,, “भारत सिर्फ एक बाज़ार नहीं है, यह नवोन्मेष की ज़मीन है। राजकोषीय क्रांति, शिक्षा में सफलता, कराधान क्रांति, समावेशी विकास पर बल, ये भारत सरकार की कुछ विशेषताएं हैं। लोगों की बुनियादी समस्याओं को समझकर ज़मीनी स्तर तक पहुँचना और बुनियादी ज़रूरतें पूरी करना सुनिश्चित करने का भारत सरकार का कार्य बेहद सराहनीय है। साथ ही, मैं विकास की इस प्रक्रिया को स्वीकार करने और इसमें भाग लेने के लिए लोगों की भी प्रशंसा करता हूं। हमारी उपलब्धियां, देश की उपलब्धियों के साथ जुड़ रही हैं और मैं मानता हूं कि यह अमृत काल है। उद्यमिता के बारे में बात करते हुए, मैं कहना चाहूंगा कि यह एक संपन्न अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह नवोन्मेष, जोखिम लेने की भावना और कुछ नया तथा मूल्यवान तैयार करने की प्रेरणा का प्रतीक है। अमृत काल को आशा है कि युवा, महिलाएं, कारीगर और नागरिक आधुनिक डिजिटल तकनीकों और वैश्विक बाजारों तक पहुंच के साथ सशक्त और अपेक्षाकृत अधिक कुशल होंगे।'

डॉ. सुनील शुक्ला ने अपनी टिप्पणी में कहा, “भारत की प्रगतिशील नीतियां और पहलें, गेम चेंजर हैं। वे देश को कई मोर्चों पर आगे ले जा रही हैं। ईडीआईआई अमृत काल के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप काम कर रहा है। ईडीआईआई के कार्यक्रम और विभिन्न सरकारी विभागों तथा मंत्रालयों के साथ सहयोगात्मक तरीके से इसके प्रयास युवाओं, महिलाओं, कारीगरों, प्रौद्योगिकीविदों, मौजूदा उद्यमियों और कई अन्य लक्षित समूहों के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं। ईडीआईआई एक विकसित और सशक्त भारत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

डॉ. मिलिंद कांबले ने अपने संबोधन में कहा, “अमृत काल का ज़िक्र करते हुए मैं शिक्षा को मज़बूत करने पर दिए गए फोकस की सराहना करता हूं। नई शिक्षा नीति 2020, कौशल प्राप्त युवाओं को आगे बढ़ाएगी और यह अमृत काल का भारत का सबसे मजबूत स्तंभ होगा। इसके

EDII

अलावा, जी20 की अध्यक्षता ने देश को वित्तीय समावेशन, कौशल विकास, शिक्षा और सभी के लिए आवास के क्षेत्र में उठाए गए कदमों को प्रदर्शित करने का अवसर दिया। मुझे लगता है कि देश ऐसे मानकों के साथ विकास की कल्पना कर रहा है, जो वास्तव में वैश्विक, समावेशी और अद्वितीय हैं।''

श्री सौरभ पांडे ने कहा, "भारत सॉफ्ट पावर, द्विपक्षीय संबंधों, आयुष, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि और ऐसे अन्य उभरते क्षेत्रों के मोर्चों पर तेजी से विकसित हो रहा है। यह विकास, निश्चित रूप से सतत विकास और समावेशी विकास को प्रेरित कर रहा है, जो अमृत काल के भारत का दृष्टिकोण है। भारत को अपनी प्रतिष्ठा और वैदिक विरासत पुनःप्राप्त हो रही है। राष्ट्र को मज़बूती से आगे बढ़ते हुए देखना खुशी की बात है।"

व्याख्यान के बाद, माननीय राज्यपाल का उद्योग, शिक्षा जगत और सरकार के आमंत्रित अतिथियों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में उद्योग, पर्यटन, शैक्षणिक समुदाय/संस्थानों की भूमिका, जलवायु परिवर्तन और संबंधित क्षेत्रों जैसे विविध विषयों पर चर्चा हुई। इसका संचालन उद्योग के दिग्गज, डब्ल्यूईएफ, जिनेवा के एजीएस के संस्थापक क्यूरेटर और स्टार्ट-अप इवेंजेलिस्ट श्री सुनील पारेख ने किया।

About Entrepreneurship Development Institute of India (EDII)

The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad was set up in 1983 as an autonomous and not-for-profit Institute with support of apex financial institutions - the IDBI Bank Ltd., IFCI Ltd., ICICI Bank Ltd. and State Bank of India (SBI). The Government of Gujarat pledged twenty-three acres of land on which stands the majestic and sprawling EDII Campus. EDII has been recognized as the CENTRE OF EXCELLENCE by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Govt. of India. The Institute has also been listed as the Institute of National Importance by the Education Department, Govt. of Gujarat. EDII operates across the country through its seven regional offices and PAN India project offices. It has international affiliates in Cambodia, Laos, Myanmar Vietnam, Uzbekistan and Rwanda. For more information visit: www.ediindia.org

For more information, contact:

Nirupam Banerjee, Adfactors PR: 9825984727
Hiral Oza, Adfactors PR: 7043901987